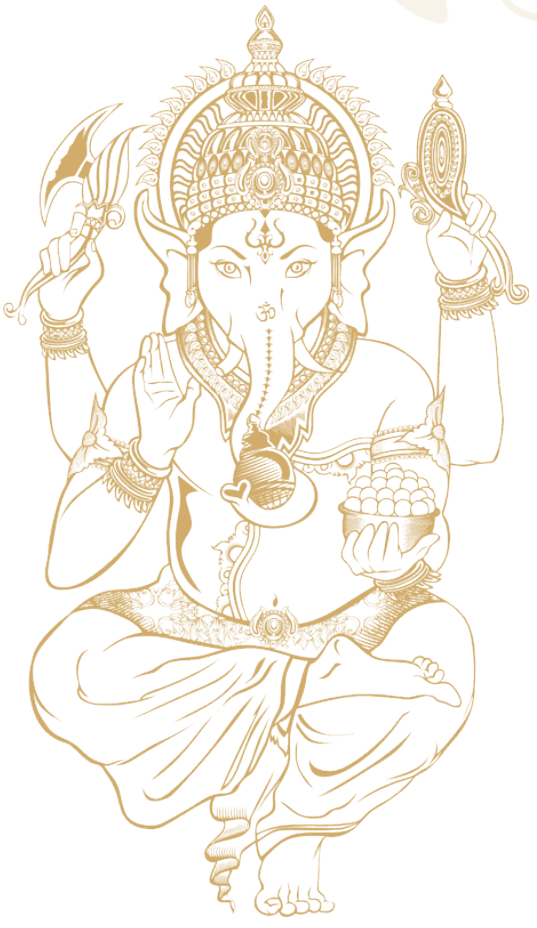

Mr.vishal

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120165110

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/11/1982	जन्म तिथि	16/11/1990
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:12:00	जन्म समय	07:12:00 घंटे
घटी 01:08:55	जन्म समय(घटी)	01:08:48 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:25	सूर्योदय	06:44:28
17:27:11	सूर्यास्त	17:27:09
23:36:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 17दि	04:48:21	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	04:44:40	राहु 6वर्ष 3मा 6दि
शुक्र	29:45:19	तुला	सूर्य	तुला	29:42:11	शनि
03/11/2023	04:45:41	वृश्चि	चंद्र	तुला	15:21:25	21/02/2013
03/11/2043	17:45:43	धनु	मंगल व	वृष	15:57:42	22/02/2032
शुक्र 05/03/2027	27:35:57	तुला	बुध	वृश्चि	13:53:38	शनि 25/02/2016
सूर्य 04/03/2028	27:48:25	तुला	गुरु	कर्क	19:32:17	बुध 04/11/2018
चन्द्र 03/11/2029	02:45:18	वृश्चि	शुक्र	वृश्चि	03:19:22	केतु 14/12/2019
मंगल 03/01/2031	04:54:56	तुला	शनि	धनु	27:15:46	शुक्र 13/02/2023
राहु 03/01/2034	11:11:08	मिथु व	राहु व	मक	06:48:57	सूर्य 26/01/2024
गुरु 03/09/2036	11:11:08	धनु व	केतु व	कर्क	06:48:57	चन्द्र 26/08/2025
शनि 03/11/2039	10:34:28	वृश्चि	हर्ष	धनु	13:26:23	मंगल 05/10/2026
बुध 03/09/2042	01:57:08	धनु	नेप	धनु	18:49:29	राहु 11/08/2029
केतु 03/11/2043	04:17:14	तुला	प्लूटो	तुला	24:12:13	गुरु 22/02/2032

लग्न-चलित

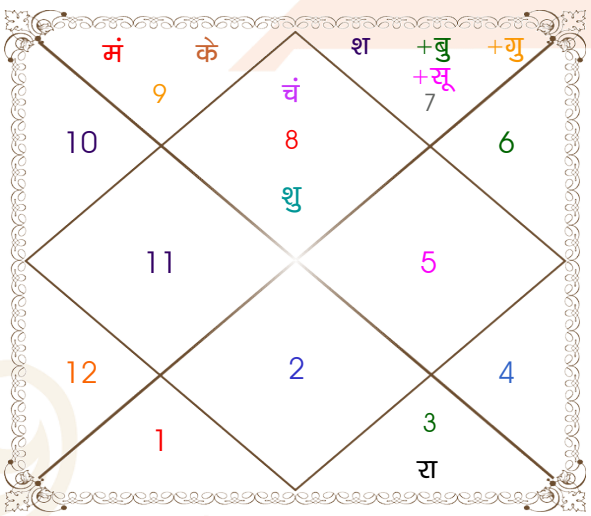

लग्न-चलित

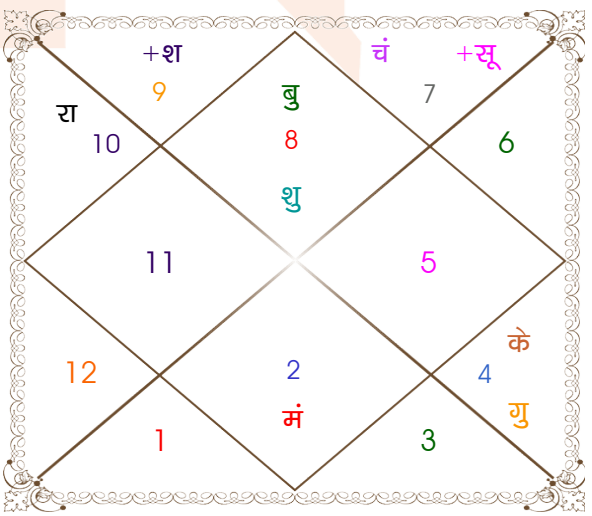

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्अर्पीस का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्अर्पीस और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्अर्पीस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्अर्पीस तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।